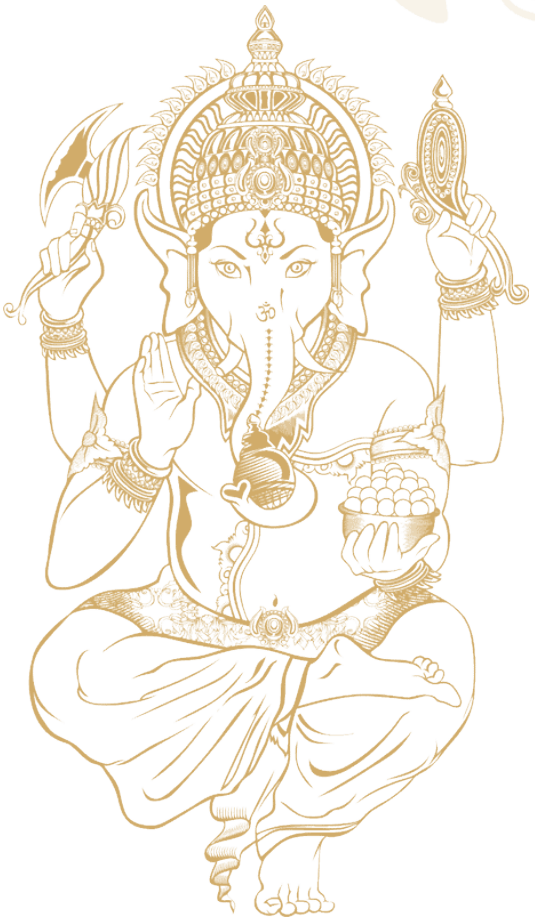

Rakesh

15 Apr 1976

08:00 PM

Nawashahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121843506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/04/1976**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:00:00 घंटे**
इष्ट	35:05:11 घटी
स्थान	**Nawashahr**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	76:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:34:36 घंटे
वेलान्तर	-00:00:02 घंटे
साम्पातिक काल	09:10:05 घंटे
सूर्योदय	05:57:55 घंटे
सूर्यास्त	18:53:30 घंटे
दिनमान	12:55:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:12:52 मेष
लग्न के अंश	17:06:16 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्धि
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:06:16	303:45:24	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	02:12:52	00:58:41	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			तुला	17:59:58	15:04:40	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
मंगल			मिथु	19:53:48	00:30:43	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
बुध			मेष	16:41:51	01:51:32	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			मेष	11:12:20	00:14:18	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	15:22:42	01:13:53	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि			कर्क	02:49:13	00:02:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	19:00:46	00:00:03	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	19:00:46	00:00:03	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		तुला	11:59:50	00:02:30	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
नेप	व		वृश्चि	20:11:32	00:00:56	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	16:23:10	00:01:36	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	---
दशम भाव			कर्क	21:31:52	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:44

लग्न-चलित

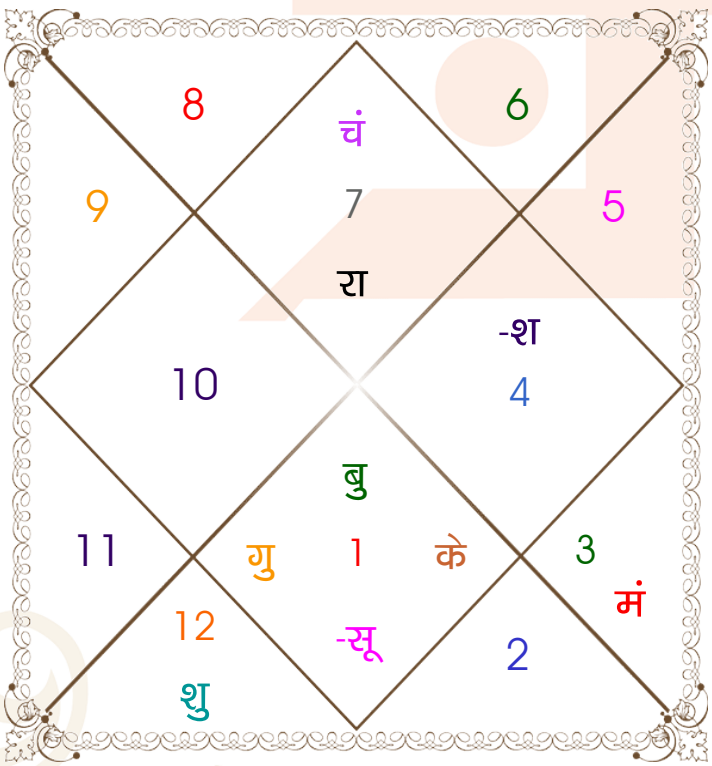

चन्द्र कुंडली

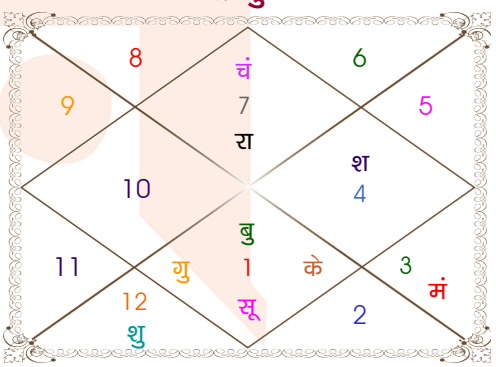

नवमांश कुंडली

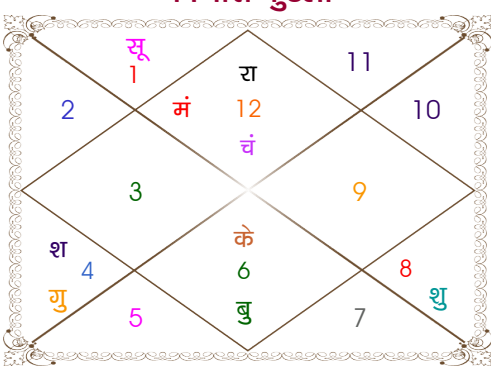

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 2 वर्ष 8 मास 12 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/04/1976		28/12/1978		28/12/1994		27/12/2013		28/12/2030	
28/12/1978		28/12/1994		27/12/2013		28/12/2030		27/12/2037	
	00/00/0000	गुरु	14/02/1981	शनि	31/12/1997	बुध	25/05/2016	केतु	26/05/2031
	00/00/0000	शनि	28/08/1983	बुध	09/09/2000	केतु	22/05/2017	शुक्र	25/07/2032
	00/00/0000	बुध	03/12/1985	केतु	18/10/2001	शुक्र	22/03/2020	सूर्य	30/11/2032
	00/00/0000	केतु	09/11/1986	शुक्र	18/12/2004	सूर्य	27/01/2021	चंद्र	01/07/2033
	00/00/0000	शुक्र	10/07/1989	सूर्य	30/11/2005	चंद्र	28/06/2022	मंगल	27/11/2033
	15/04/1976	सूर्य	28/04/1990	चंद्र	01/07/2007	मंगल	25/06/2023	राहु	16/12/2034
सूर्य	09/06/1976	चंद्र	28/08/1991	मंगल	09/08/2008	राहु	12/01/2026	गुरु	21/11/2035
चंद्र	09/12/1977	मंगल	03/08/1992	राहु	16/06/2011	गुरु	19/04/2028	शनि	30/12/2036
मंगल	28/12/1978	राहु	28/12/1994	गुरु	27/12/2013	शनि	28/12/2030	बुध	27/12/2037

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/12/2037		27/12/2057		28/12/2063		27/12/2073		27/12/2080	
27/12/2057		28/12/2063		27/12/2073		27/12/2080		00/00/0000	
शुक्र	28/04/2041	सूर्य	16/04/2058	चंद्र	27/10/2064	मंगल	26/05/2074	राहु	09/09/2083
सूर्य	28/04/2042	चंद्र	16/10/2058	मंगल	28/05/2065	राहु	13/06/2075	गुरु	02/02/2086
चंद्र	28/12/2043	मंगल	21/02/2059	राहु	27/11/2066	गुरु	19/05/2076	शनि	09/12/2088
मंगल	26/02/2045	राहु	15/01/2060	गुरु	28/03/2068	शनि	28/06/2077	बुध	28/06/2091
राहु	27/02/2048	गुरु	02/11/2060	शनि	28/10/2069	बुध	25/06/2078	केतु	16/07/2092
गुरु	28/10/2050	शनि	15/10/2061	बुध	29/03/2071	केतु	21/11/2078	शुक्र	17/07/2095
शनि	27/12/2053	बुध	22/08/2062	केतु	28/10/2071	शुक्र	21/01/2080	सूर्य	15/04/2096
बुध	27/10/2056	केतु	28/12/2062	शुक्र	28/06/2073	सूर्य	28/05/2080		00/00/0000
केतु	27/12/2057	शुक्र	28/12/2063	सूर्य	27/12/2073	चंद्र	27/12/2080		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 2 वर्ष 8 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।